ज्ञानदीप

अंक 107

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020)
26126816, 26123436
रेलवे : 62731

छात्रावास – डी ओ टी
(020) 26130579, मो 7420041134
रेलवे : 62101, 62158

फैक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : iricenmail@iricen.railnet.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 28 जनवरी–मार्च 2025

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. श्री सुनील कुमार झा, महानिदेशक की विदाई
2. मुख्य इंजीनियर (सामान्य) का सेमिनार
3. मुख्य रेलपथ इंजीनियर का सेमिनार
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 163वीं बैठक
5. राजभाषा के प्रयोग–प्रचार के दृष्टि से कार्यशाला एवं हास्य व्यंग नाटक का आयोजन
6. गणतंत्र दिवस का आयोजन
7. भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक डॉक्यूमेंटरी
8. उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का स्वागत/ विदाई
9. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
10. स्वागत एवं विदाई
11. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

ज्ञानदीप 25 वर्ष रजत जयंती वर्ष 1997-2022

1. श्री सुनील कुमार झा, महानिदेशक की विदाई



दिनांक 31 मार्च, 2025 को संस्थान के महानिदेशक **श्री सुनील कुमार झा** सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है एवं शुभकामनाएं देता है।

2. मुख्य इंजीनियर (सामान्य) का सेमिनार

दिनांक 23 एवं 24 जनवरी, 2025 को मुख्य इंजीनियर (सामान्य) सेमिनार का आयोजन किया गया सेमिनार की अध्यक्षता श्री दिनेश कुमार अपर सदस्य (भूमि एवं अधिग्रहण) रेलवे बोर्ड द्वारा की गई। सेमिनार में श्री दिनेश कुमार अपर सदस्य (भूमि एवं अधिग्रहण), श्री अजीत कुमार झा कार्यकारी निदेशक (सिविल इंजीनियरिंग (सामान्य)), श्री पंकज त्यागी कार्यकारी निदेशक (भूमि एवं अधिग्रहण) रेलवे बोर्ड एवं श्री अनुप कुमार वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक / क्रिस के अधिकारी और क्षेत्रीय रेलों के मुख्य इंजीनियर (सामान्य) तथा श्री एस. के. झा महानिदेशक, श्री विनोद कुमार अपर महानिदेशक सहित संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। श्री प्रकाश उपाध्याय, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ–2 ने सेमिनार का संचालन किया।

श्री एस. के. झा, महानिदेशक / इरिसेन ने सेमिनार के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि इस सेमिनार में किए जाने वाले विचार–विमर्श जैसे भूमि प्रबंधन, लाइसेंसिंग और लीजिंग आदि मुख्य इंजीनियर (सामान्य) के लिए अधिक महत्वपूर्ण मुद्दें हैं, जो रेल परिसंपत्ति के प्रबंधन और संरचना की मजबूती के दृष्टिकोण से अधिक उपयोगी हैं।



अध्यक्षीय भाषण में श्री दिनेश कुमार अपर सदस्य (भूमि एवं अधिग्रहण) रेलवे बोर्ड ने कहा कि नए मास्टर सर्कुलरों में भूमि से संबंधित नीति में कई संशोधन किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि मास्टर सर्कुलरों में मंडलों और क्षेत्रीय रेलों को बहुत अधिक अधिकार सौंपे गए हैं, इसलिए आप सभी क्षेत्रीय रेलों में भूमि निदेशालय के मार्गदर्शक हैं। आपको नीति की अच्छी जानकारी होनी चाहिए और नीति का विस्तार एवं ध्यान से अध्ययन करना होगा।

सेमिनार में कार्यसूची की विभिन्न मदों पर जैसे भूमि मामलें, वे–लीव चार्ज, साइडिंग मामलें, ऑनलाइन पोर्टल, विवाचन मामलें, अन्य विविध

संरक्षक
विनोद कुमार
अपर महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
अतुल देशपांडे
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, रेलपथ – 2

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

मामलें आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा के लिए भेजे गए।

3. मुख्य रेलपथ इंजीनियर का सेमिनार

दिनांक 20 एवं 21 मार्च, 2025 को मुख्य रेलपथ इंजीनियर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता श्री आनंद भाटिया अपर सदस्य (सिविल इंजी.) रेलवे बोर्ड द्वारा की गई। सेमिनार में श्री प्रेम सागर गुप्ता प्रधान कार्यकारी निदेशक (सिविल इंजी.) (पी) रेलवे बोर्ड, श्री एस. एस. केड़िया प्रधान कार्यकारी निदेशक इंफ्रास्ट्रक्चर आर.डी.एस.ओ., श्री अखिलेश कुमार सिंह कार्यकारी निदेशक (टीडी) आर.डी.एस.ओ., श्री कैलाश नारायण निदेशक (टीएम)1 आर.डी.एस.ओ., श्री समीर सिंह निदेशक (जीई) आर.डी. एस.ओ., श्री राजीव पचौरी एडीई (ट्रैक) आर.डी.एस.ओ. तथा क्षेत्रीय रेलों के मुख्य रेलपथ इंजीनियरों, श्री एस. के. झा महानिदेशक, श्री विनोद कुमार अपर महानिदेशक तथा संकाय अध्यक्ष सहित संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। श्री अनिल कुमार खरे, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ–3 ने सेमिनार का संचालन किया।



श्री एस. के. झा, महानिदेशक / इरिसेन ने सेमिनार के सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कहा कि सबसे बड़ी चुनौती न केवल रेलपथ संरचना में सुधार से संबंधित है, बल्कि सुधार इस तरह करना है जिससे गति और एक्सल लोड में निरंतर वृद्धि हो सके। इसके अलावा, गाड़ी संचालन की रुकावटों को दूर करने के लिए यार्ड की री–मॉडलिंग और विभिन्न बंदरगाहों और विभिन्न भागों से कनेक्टिविटी में सुधार करना भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। वर्तमान में निधि की कमी पूरी तरह से दूर हो गई है, इसलिए रेलपथ इंजीनियरों के साथ एक–और चुनौती मैनपावर को कम करना और ट्रैक के निरीक्षण तथा अनुरक्षण के लिए नई तकनीकों को शामिल करना है। रेलवे आवश्यकता आधारित अनुरक्षण प्रणाली को अपनाने की दिशा में अग्रसर है, जो वर्तमान में अधिक प्रासंगिक हो गई है।

अध्यक्षीय भाषण में श्री आनंद भाटिया अपर सदस्य (सिविल इंजीनियरिंग) रेलवे बोर्ड ने कहा कि सभी मुख्य रेलपथ इंजीनियर पूरी लगन के साथ कार्य कर रहे हैं, वे रेलवे के सुरक्षित एवं निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने की सेवा जारी रखेंगे, परिसंपत्तियों के अनुरक्षण के लिए हमारे पास प्रेरित मानवशक्ति, विश्वसनीय सामग्री संसाधन, ट्राफिक ब्लाक और ट्रैक मशीनों की उपलब्धता है, हमें फ्रंटलाइन वर्कफोर्स पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि वे हमारे मूल्यवान संसाधन हैं। उन्होंने भारतीय रेल के आधुनिकीकरण पर विस्तार से चर्चा की और ट्रैक आइटमों का परीक्षण, ट्रैक मशीनों की उपलब्धता, ट्राफिक ब्लाक के लिए 26 सप्ताह की एडवांस योजना, रोलिंग ब्लाक योजना की अवधारणा, ट्रैक मशीनों का न्यूनतम 75% उपयोग प्राप्त करना, पीयू–49 में पर्याप्त धनराशि की मांग, यूडीएम के अधिकतम उपयोग, रेल ग्राइंडिंग का पूरा लाभ उठाने के लिए गेज आधारित लुब्रिकेटर लगाना, अनुरक्षण के लिए तीन स्तरीय प्रणाली लागू करना आदि के बारे में चर्चा कर उपयुक्त निर्देश दिए।

श्री नवीन गुलाटी सदस्य इंजीनियरिंग ने ऑनलाइन संबोधन में बताया कि यह एक महत्वपूर्ण सेमिनार है, इस सेमिनार में फील्ड में आने वाली समस्याओं का किस–प्रकार निराकरण करना है इस पर चर्चा की जाएगी। सभी को फील्ड निरीक्षण फोकस पद्धति से करने के लिए कहा जाना चाहिए, उन्होंने यात्री लूप लाइनों में सुधार और उचित निरीक्षण, पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया और सभी को आने वाले दो दिनों के लिए शुभकामनाएं दी।

सेमिनार में कार्यसूची की विभिन्न मदों पर जैसे, रेलपथ संरचना, यूएसएफडी और वेल्डिंग, पॉइंट एण्ड क्रॉसिंग, कर्व, एलडब्ल्यूआर, रेलपथ अनुरक्षण, टीएमएस, ट्रैक मशीन, स्थापना, विविध मामलें आदि पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा के लिए भेजे गए।

4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 163वीं बैठक

संस्थान में दिनांक 20 फरवरी, 2025 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 163वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अध्यक्ष श्री विनोद कुमार, अपर महानिदेशक जी ने संस्थान पर राजभाषा की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक भाषा है, हिंदी के माध्यम से विश्व के लोगों को भारतीय संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिल रहा है। हिंदी भाषा की यह विशेषता है कि यह एक सर्वसमावेशी भाषा है, इसमें संस्कृत से लेकर भारत की प्रांतीय भाषाओं के साथ–साथ अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषाओं के शब्दों को भी समाहित करने की क्षमता है। तकनीकी के इस युग में हिंदी ने भी अपने परंपरागत स्वरूप को समय के अनुरूप ढाल लिया है। हिंदी के प्रयोग में बहुत क्लिष्ट शब्दों का प्रयोग न किया जाए। हिंदी में काम करना तब आसान होता है जब हम बोलचाल वाली भाषा का प्रयोग करते हों। अपने दैनिक कार्य में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।



श्री अतुल देशपांडे उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ 2 ने बैठक के सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने पहली बार उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का कार्यभार सौंपने के लिए महानिदेशक महोदय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संस्थान में राजभाषा के प्रयोग–प्रसार और निर्धारित लक्ष्य को बनाए रखने में सदैव तत्पर रहेंगे। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा में मौलिक लेखन में अभिव्यक्ति बहुत ही सहज और स्वाभाविक होती है, जो अनुवाद की भाषा से कठिन है। हिंदी को सभी प्रकार से संपन्न और प्रतिष्ठित करना ही हमारा पावन लक्ष्य है।

5. राजभाषा के प्रयोग–प्रचार के दृष्टि से कार्यशाला एवं हास्य व्यंग नाटक का आयोजन



संस्थान पर राजभाषा के प्रयोग–प्रचार के दृष्टि से दिनांक 12 मार्च, 2025 को कार्यशाला के उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश कुमार शेखावत, संकाय अध्यक्ष ने किया। सर्वप्रथम अधिकारी कर्मचारी और प्रशिक्षणार्थियों की सहभागिता से हिंदी हास्य–व्यंग्य कविता का वाचन, हिंदी गीत–संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। तत्पश्चात श्री कृष्ण चंदर रचित हास्य व्यंग कथा पर आधारित 'जामुन का पेड़' नामक नाटक का श्री राजेश कुमार शेखावत, संकाय अध्यक्ष के निर्देशन में इन–हाउस मंचन किया गया। इस नाटिका में श्री राजेश शेखावत

संकाय अध्यक्ष, श्री जनार्दन प्रसाद सहा.प्राध्या (रेलपथ), श्री राजेंद्र खुरसिंगे, व.अनु.(रेलपथ), श्री संजय सिन्हा व.तक.सहा., श्री रोहित कांबले एवं श्रीमती सुप्रिया शिरसाट तकनीशियन आदि ने कला का प्रदर्शन किया। महानिदेशक महोदय द्वारा कार्यक्रम की सराहना की गई और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में सभी संकाय एवं उनके पारिवारिक सदस्यों, प्रशिक्षणार्थी अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों और संस्थान कर्मचारियों ने भारी संख्या में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी।



6. गणतंत्र दिवस का आयोजन



संस्थान में दिनांक 26 जनवरी, 2025 को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। श्री सुनील कुमार झा, महानिदेशक / इरिसेन ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत महानिदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया और शुभकामनाएं दी। तदुपरांत लेमन-स्पुन, म्युजिकल-चेयर तथा बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इरिसेन स्पोर्टस् मीट - 2025 के विजेता अधिकारियों और कर्मचारियों को महानिदेशक महोदय के कर-कमलों से नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महानिदेशक, अपर महानिदेशक एसएसटीडब्ल्यू, अपर महानिदेशक इरिसेन और संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारी, परिवीक्षार्थी एवं कर्मचारी और उनके पारिवारिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

7. भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक डॉक्यूमेंटरी

रेलवे बोर्ड के अनुदेशानुसार भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में संस्थान पर वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 21 फरवरी, 2025 को कोंकणा और काठी होली जनजातियों के त्यौहार पर डॉक्युमेंटरी दिखायी गई। इस अवसर पर संकाय सदस्य, अधिकारी, प्रशिक्षु अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों सहित संस्थान के कर्मचारियों ने भारी संख्या में उपस्थिति दर्शायी।



8. उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का स्वागत/ विदाई



श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक पुल-1 दिनांक 18 सितंबर, 2023 से 02 फरवरी, 2025 तक संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी के पद पर रहे थे। राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए संस्थान आपकी सराहना करता है तथा आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



श्री अतुल देशपांडे, प्राध्यापक रेलपथ-2 ने दिनांक 03 फरवरी, 2025 से संस्थान के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी का पदभार ग्रहण किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

9. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम

1	25234	वेबिनार : वक्रों पर 160/200 किमी/घंटा तक गति बढ़ाना	01 अगस्त
2	25425	टनेलिंग	04 से 16 अगस्त
3	25509	एनटीपीसी इंजीनियरों के लिए विशेष पाठ्यक्रम)	04 से 09 अगस्त
4	25615	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	04 से 22 अगस्त
5	25813	पॉइंट एवं क्रासिंग, यार्ड लेआउट और यार्ड का अनुरक्षण	04 से 08 अगस्त
6	25814	फार्मेशन का निर्माण	11 से 16 अगस्त
7	25235	वेबिनार : कंपोजिट गर्डर और शियर स्डडस्	14 अगस्त
8	25815	एलडब्ल्यूआर, रेल वेल्डिंग, रेलपथ सहिष्णुता और रेलपथ की निगरानी	18 से 22 अगस्त
9	25202	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल)	25 अगस्त से 19 सितं.
10	25426	स्टील गर्डरों का फॅब्रिकेशन और निरीक्षण	25 से 30 अगस्त
11	25816	अवपथन जांच	25 से 30 अगस्त

12	25854	आईआरडब्ल्यूसीएमएस एण्ड यूडीएम	25 से 30 अगस्त
13	25236	वेबिनार : नई लाइनों, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण में गुणवत्ता प्रबंधन	29 अगस्त
14	25427	पुल योजना, निर्माण और लान्चिंग	01 से 06 सितंबर
15	25428	गति शक्ति यूनिट अधिकारियों के लिए अवसंरचना विकास	01 से 06 सितंबर
16	25616	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	01 से 19 सितंबर
17	25817	जेई/सीसेइंजी (ड्राइंग) के लिए विशेष पाठ्यक्रम	01 से 12 सितंबर
18	25429	पुल का निरीक्षण, अनुरक्षण और पुनर्स्थापना	08 से 12 सितंबर
19	25237	वेबिनार : स्टील / स्टल कंपोजिट ब्रिज गर्डरों के लिए क्यूएपी पर नीति और दिशा-निर्देश	12 सितंबर
20	25430	कंक्रीट प्रौद्योगिकी और पीएससी निर्माण	15 से 19 सितंबर
21	25855	कैड	15 से 20 सितंबर
22	25431	यंत्रीकृत अनुरक्षण और रेलपथ सहिष्णुता और रेलपथ की निगरानी	22 से 26 सितंबर
23	25432	ठेका और विवाचन, आईआरडब्ल्यूसीएमएस	22 सितं.से 03 अक्तू.
24	25617	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (यूएसएफडी)	22 से 27 सितंबर
25	25818	बिल्डिंग योजना, निर्माण और अनुरक्षण	22 से 26 सितंबर
26	25238	वेबिनार : बी-स्कैन यूएसएफडी	26 सितंबर
27	25618	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	29 सितं. से 17 अक्तू.
28	25703	जीएसवी के अंतिम वर्ष के छात्रों का शैक्षणिक दौरा	29 से 30 सितंबर
29	25819	यंत्रीकृत अनुरक्षण और रेल ग्राइंडिंग	29 सितं. से 04 अक्तू.

10. स्वागत एवं विदाई



श्री एस. के. गर्ग, अपर महानिदेशक, एसएसटीडब्ल्यू की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 जनवरी, 2025 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।



श्री श्रीरंग कांबले, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ-1 ने दिनांक 17 मार्च, 2025 को इरिसेन पुणे में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने पूर्व आप महाप्रबंधक राइटस् मुंबई के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्रीमती विद्या धानेकर**, मुख्य कार्यालय अधीक्षक, की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 जनवरी, 2025 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।



श्री ललित सरोदे, छात्रावास अधीक्षक-II ने दिनांक 28 जनवरी, 2025 को इरिसेन पुणे में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने पूर्व आप तकनीशियन1,(यांत्रिक), डीजल लोको शेड़, पुणे मंडल के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री शैलेश पेंडसे, अनुभाग अधिकारी (लेखा) ने दिनांक 12 मार्च, 2025 को इरिसेन पुणे में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप उप मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी (निर्माण) कार्यालय, पुणे में उसी पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



संस्थान में कार्यरत **श्री जनबंधु,** अनुभाग अधिकारी (लेखा) का स्थानांतरण उप मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी (निर्माण) कार्यालय, पुणे में उसी पद पर हुआ है। आप दिनांक 10 मार्च, 2025 से संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए है। संस्थान आपके सुखद एवं उज्वल भविष्य की कामना करता है।

11.समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र संख्या 24102

प्रथम



श्री मिंटो जोसेफ,
सहा.मं.इंजी/
कोइलोन जंक्शन /
दक्षिण रेल

द्वितीय



श्री श्यामा प्रसाद मंडल,
स.मं.इंजी./वि./
आसनसोल/
पूर्व रेल

तृतीय



श्री संतोष कुमार सेठी,
स.मं. इंजी./योजना/
मालदा टाउन / पूर्व
रेल

मनुष्य के रुप मे हमारी सबसे बडी क्षमता दुनिया को बदलना नहीं है, बल्कि स्वयं का बदलना है। - महात्मा गांधी

श्री अतुल देशपांडे, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ 2 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे-। द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।